नैक (NAAC) द्वारा "A" ग्रेड प्राप्त

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya, Wardha

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

जनसंपर्क विभाग- Ph./Fax: 07152-252651 मो.9960562305

इ-मेल: mgahvpro@gmail.com वेबसाइट : www.hindivishwa.org

केदारनाथ सिंह, सुशील सिद्धार्थ को दी श्रद्धांजलि

वर्धा, दि. 21 मार्च, 2018 : महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय में सुविख्यात कवि केदारनाथ सिंह और चर्चित व्यंग्यकार सुशील सिद्धार्थ के निधन पर मंगलवार को प्रतिकुलपति प्रो. आनंद वर्धन शर्मा ने शोकसभा का आयोजन किया गया। केदारनाथ सिंह हिंदी कविता के शीर्षस्थ कवियों में एक थे। उनका जन्म बलिया जिले के चक गांव में 1 जुलाई 1934 को हुआ

था। उन्होंने काशी हिंदू विश्वविद्यालय से एम.ए किया था। उन्होंने काफी समय गोरखपुर विवि में अध्यापन किया था। वे अज्ञेय द्वारा संपादित तीसरा सप्तक के कवियों में थे। वे हिंदी कविता में गांव और लोक की बात करने वाले कवि थे। उनके प्रमुख संग्रह हैं 'जमीन पक रही है', यहां से देखो, अकाल में सारस, उत्तर कबीर और अन्य कविताएं। उनको साहित्य अकादेमी सहित कई पुरस्कार मिले थे।

17 मार्च को हिंदी के चर्चित व्यंग्यकार सुशील सिद्धार्थ का निधन हो गया । उनका जन्म 2 जुलाई 1958 को सीतापुर के भीरां में हुआ था । उनके प्रमुख संग्रह हैं प्रीति न करियो कोय, मो सम कौन, नारद की चिंता, राग लंतरानी, मालिश महापुराण, हाशिए का राग एवं अवधी कविता के दो संग्रह प्रकाशित हुए थे । उन्होंने श्रीलाल शुक्ल संचयिता, मैत्रेयी पुष्पा संचयन, युवा कहानी संचयन का प्रकाशन किया था । वे कुछ समय हिंदी विवि में अतिथि प्राध्यापक भी रहे थे । बहुवचन के संपादक अशोक मिश्र ने कवि केदारनाथ सिंह एवं सुशील सिद्धार्थ के जीवन एवं कार्यों का परिचय कराया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के अधिकारी, कर्मचारी तथा शोधार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।